सरस्वती वन्दना

जय जय हे भगवति सुर-भारति तव चरणौ प्रणमामः ।
नाद-बह्ममयि जय वागीश्वरि शरणं ते गच्छामः ।
त्वमसि शरण्या त्रिभुवन-धन्या सुर-मुनि-वन्दित-चरणा ।
नव-रस-मधुरा कविता-मुखरा स्मित-रुचि-रुचिरारणा ।
असीना भव मा नव-हंसे कुदं-तुहिन-शशि-धवले ।
हर जडतां कुरु बोधि-विकासं सिद्ध-पङ्कज-तनु-विमले ।
ललित-कलामयि ज्ञान-विभामयि वीणा-पुस्तक-धारिणि ।
मतिरास्ताम् भव पद कमले अयि कुण्ठा-विषहारिणि ।।

राष्ट्र-गान

जनगण मन अधिनायकजय हे, भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब सिन्धु गुजरात मराठा, द्रिविड उत्कल बंग ।
विन्ध्य हिमाचल यमुना गंगा, उच्छल जलधि तरंग ।
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मांगे ।
गाहे तव जय गाथा ।
जनगण मन अधिनायकजय हे, भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे, जय, जय, जय, जय हे ।

ओडिआ गीत

एई देश, एई माटी
ममतामयी मा.....टी,
सेवारे तार, जीवन देबा
रखिबा तार नाँटी ।
सुजला सुफला शस्य श्यामला
आम.....ए जन्म माटी । एई देश....
चिर मलय, जा.....र.....पबन
चिर सबुज जा.....र.....कानन ।
सुना फसल लहरी खेली
बुकुरे जाए लोटी
सुजला सुफला शस्य श्यामला
आम..... ए जन्म माटी । एई देश.....
जार झरणा झरि जाए
जहिँ कोइली कुहू गाए ।
सागर जाहार रत्न भण्डार
कोटि रत्न दिए भेटि ।
सुजला सुफला शस्य श्यामला
आम.....ए जन्म माटी । एई देश.....

वन्देमातरम् ।

समूह गान

हम होंगे कामयाब – ३ एक दिन
हो हो मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन ।।
होगी शान्ति चारो ओर-२
होगी शान्ति चारों ओर एक दिन, ओ मन में...
हम चलेंगे साथ-साथ, डाल हाथों में हाथ
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन,
ओ मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन
नहीं डर किसी का आज-२
नहीं डर किसी का आज एक दिन, ओ मन में...
नहीं डर किसी का आज के दिन ।

उर्दू गीत

सारे जाहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा ।
हम बुलबुलें हैं इसकी ये गुलिस्तां हमारा ।
पर्वत वो सबसे उँचा हमसाया आसमां का ।
वो सन्तरी हमारा वो पासवाँ हमारा ।
गोदी में खेलती हैं जिसकी हजारों नदियाँ ।
गुलशन है जिसके दम से रश्के जिना हमारा ।
मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना ।
हिन्दी हैं हम वतन है हिन्दोस्तां हमारा ।।